











## पेट की चर्बी को पिघलाने के लिए खाएं 4 सब्जियां, लटकती तोंद हो जाएंगी गायब



**बेली फैट बढ़ना हेतु के लिए नक्सानदेह होने के साथ-साथ आपके आत्मविश्वास को भी कमज़ोर बना सकती है। इसके कारण कई बार शर्मिंदी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस दिन आर्टिकल में हम कुछ सब्जियों (Vegetables Which Help Reduce Belly Fat) के बारे में बता रहे हैं जो बेली**

**फैट कम करने में काफ़ी मददगार साबित हो सकती हैं।**

हमारी लाइफस्टाइल का अस्स हमारे स्वास्थ्य पर सफ नजर आता है। एकसमयानि न करने, फिजिकली पीफिटिंग न रखने या खावर खान-पान की वजह से हमारे शरीर को काफ़ी नुकसान हो सकता है। इस वजह से आपकी सेहत बिगड़ने लगती है और मोटापा भी बढ़ता है। वर्षीय कारण है कि आजकल लोगों का पेट में बढ़ने से बहुत लात है। पेट की चर्बी बढ़ना, यानी कम बीमारियों को ज्योता देना। पेट पर बढ़ती चर्बी डायबिटीज़ और हार्ट डिजीज़ से लेपर इनफर्मेटिव टेक की वजह बन सकती है। इसलिए बेली फैट को कम करना बहुत जरूरी है।

बेली फैट कम करने में कुछ सब्जियां भी मददगार साबित हो सकती हैं। इन सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर यानी जाता है और कैलोरी भी कम होती है। इन वजहों से इन्हें डायट में शामिल करने से पेट की चर्बी कम करने में काफ़ी मदद मिलती है। आइए जानें उन सब्जियों के बारे में।

### लोकी

लोकी को देखकर भले ही आप मुझे सिकोड़ लेते हों, लेकिन बेली फैट कम करने में ये सब्जी सबसे बेटा साबित हो सकती है। यह सिकोड़ कैलोरी कम होती है और पानी काफ़ी मात्रा की गयी है। पानी और फाइबर की वजह से लोकी खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है।

### बोकली

बोकली फाइबर से भरपूर होता है। फाइबर काफ़ी समय तक पेट को भरा हुआ रखता है, जिससे बाब-बार खाने की क्रीड़ियां हो जाती हैं। साथ ही, इसमें कम कैलोरी खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसलिए, लोकी को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है।

### खीरा

खीरा में काफ़ी मात्रा में पानी पाया जाता है। साथ ही, ये शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है। इसमें पानी के साथ-साथ फाइबर भी मौजूद होता है, जो बजन कम करने में काफ़ी मददगार है। इसके अलावा, इसमें कैलोरी भी कम होती है, जिसके कारण बेली फैट करने में मदद मिलती है।

मिर्च

मिर्च में कैप्सेसिन पाया जाता है, जो फैट बर्न करने में मदद करता है। साथ ही, ये मेटाबोलिम को भी तेज जाता है, जिससे इस खाने से बेली फैट कम करने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद विटामिन-नी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स सहित के लिए काफ़ी फायदे मिलते हैं।

गोबर

गोबर को अपनी खांड में खाने से पेट लंबे समय तक बराबर रहता है। इसमें पानी के साथ-साथ फाइबर भी मौजूद होता है, जो बजन कम करने में काफ़ी मददगार है। इसके अलावा, इसमें कैलोरी भी कम होती है।

यह नहीं भूलना चाहिए कि 2014 के चुनाव में जम्मू में अपने रिकार्ड प्रदर्शन के बावजूद, भाजपा 25 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर ही पहुंच पाई थी और पीड़ीपी के नेतृत्व वाली गठजोड़ सरकार के माध्यम से ही हफ्तों बाद जम्मू-कश्मीर में उसके हाथ सत्ता तक पहुंच पाए थे, जिसका प्रतिपत्ति दिल्ली के उसके नियंत्रण में खड़ा हो गया। अपने तानशीर्पूण नियंत्रण में खड़ने और उसके ऊपर से राज्य का विशेष दर्जा खस्त करने, राज्य का दर्जा ही खत्म करने तथा उसके द्वारा एक विशेष दर्जा खस्त करने, राज्य का दर्जा ही खत्म करने के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। यहां पर्याप्त है कि जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने की दो छंटे बाद ही, हड्डोंमें वास्तव भी लेनी पड़ गयी। बाट में राज्य में होने वाले तीन चरणों की चुनाव के बावजूद पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले तर्क के लिए जारी करने की दो छंटे बाद ही, जिसके बाद नेतृत्व वाले तीन चरणों के चुनाव के लिए गठजोड़ सरकार के अपने नामों की सूची दोबारा जारी की गयी।

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्की का गिरना। भाजपा को, जम्मू-कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती है। मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वस्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

# मुखिकल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं। वयोंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। हम आपको बता रहे हैं कि ये सेहतमंद आदतें कैन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सीदा साबित हो सकती हैं।

## हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों की कीटाणु-मुक्त और दांतों की मोतियाँ-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है। लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को छिस सकता है और इससे आपको दांतों में संस्थिटिवी की समस्या पैदा हो सकती है। इसलिए अपनी मां की हर बार ब्रश करने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुक्का करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है।

## ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का

### बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज़ को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती है? तो आप सतर्क हो जाइए। यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है। यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक

तरीका है, लेकिन इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं।

अपरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक

ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोरोसान नामक एक कैमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरते सोखे लेती है। आप यह रक्त संचार में शामिल हो जायें, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कार्युनिकेशन को बाहित करता है। इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांधनां और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है। इसलिए अगर आपके हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मोका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए।

## क्या आप अपने कॉर्सेटिक्स को

### बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉर्सेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है। अलग-अलग कृपणियों के कॉर्सेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं, जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नुकसानदेह साबित हो सकता है। इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है। इसमें जलन या चक्कते आने की शिकायत आ सकती है। इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉर्सेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें।

## हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है। लेकिन व्याध रखिए। बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं। लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैनीशियम, कैल्शियम, पॉटॉशियम, रिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है। यह आपके लिए नुकसानदायक है, वयोंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं। ये तत्व आपको कूर्जा मुहैया करने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं।

## पिलप पलॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती है, इसलिए आपको चप्टे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह खाली आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है। वयोंकि आर्क नहीं होने के कारण पिलप पलॉप (चप्टे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कॉई स्पॉर्ट नहीं दे पातीं। चलते वक्त चप्टे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अग्रीटों को लगातार चप्पल पर गियर बनाना पड़ता है, ताकि वह पाव से फिसलन न जाए। इससे पांवों का नैचुरल लिपट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है। इससे पांवों के तलवे में दिक्षित आ सकती है। अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप पिलप पलॉप कम ही पहनें।

## क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग



ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं कि फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की त्या जारूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है। इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए। यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है।

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है। उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग के बाद उसके बीचें दो क्षर्क खारवाक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं कि फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की त्या जारूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है। इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में जाना चाहिए। यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है।

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्चा प्रदाहर्ड में अच्वल है और उसे आपके व्याध की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है। अगर आपका बच्चा वलास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे लाए सकता है। जाहिर है कि आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है।

- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदी गोलीनी पड़ेगी। इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। अगर स्कूल से बच्चे की कॉई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हो।

- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए। हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेरेस पेरपर पर आपके ही साड़ीन कर लेता हो। बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें।

- क्या बच्चा वलास में दूसरे बच्चों और टीचर से धूप-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने से बैठा रहता है। इन सब ज़रूरी सदाचारों के जवाब आपको इसी पैरेंट्स मीटिंग में दिलें।

- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं। अगर टीचर आपके बच्चे पर थीक से ध्यान न देती हो या फिर कोई थीक से बैठक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं।

- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है। इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं।

- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें। इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं। आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पास से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं।



## फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है। तथा मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है। इसके इस्तेमाल से कील-मूँहसे, झाँझों तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे वाले रुद्ध की ओर गर्नन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाना। फिर वेटर बेड और शुक्र त्वचा के लिए कोई फाउंडेशन लगाना ही नहीं होता है। फाउंडेशन का मतलब रुद्ध त्वचा के रंग से बहुत छोटा होता है। इससे फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का गुनाह आपकी अपनी स्किन को बदलना है। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिपिवर, क्रीम, स्टिक, पाउडर फ



## बरसात के मौसम में बच्चों के पहनावे में ये करें बदलाव, रहेंगे स्वस्थ

बरसात का मौसम वैसे तो मौज मरती का समय होता है, क्योंकि बारिश दूलसे हुए खेत-खिलहानों के लिए जीवन प्रदान करती है, लेकिन बच्चा आप जानते हैं कि ये समय छोटे बच्चों के अभिभावकों के लिए चिंता का विषय होता है, क्योंकि मौसम के बदलने से तेज बुखार होना, नाक बहना, संकमण फैलना आदि होना आम बात है। ऐसे समय में बच्चों को सुखित रखने के लिए बरसात के मौसम में इन्हें बाले काढ़े पहनना आवश्यक होता है।

आमतौर पर बरसात का मौसम देश में 15 जून से लेकर सितंबर के मध्य तक रहता है। वहीं धोपाल सहित कई हिस्सों में जुलाई और अगस्त में बारिश बहुत तेज होती है। इसके अलावा प्रदेश के कुछ हिस्सों में अपैल और अक्टूबर में भी हल्की-फूली बारिश होती है जो कि बहुत ज्यादा तो नहीं होती, परंतु बच्चों की सेहत पर आवश्यक असर करती है। बारिश के मौसम में बच्चों को सूखा रखते हैं और वहीं कपड़े इस मौसम के लिए बेहतर विकल्प होते हैं।

### यह हो ऊपरी पोशाक

फैशन की जानकारी के अनुसार यह सुनिश्चित करें कि अधिकतम बरसाती मौसम में बच्चा पूरी तरह सूखा हो और आरामदायक महसूस करे। हल्के लिए हमें उसे ऐक्जीन, प्लास्टिक और करेप प्लास्टिक से बने पार्श्वी कपड़े पहनने चाहिए। बरसात में भी गाने से बचने के लिए फिशन व नाइलोन पहनना अनुकूल होगा, क्योंकि इस प्रकार के कपड़े गील होने पर भी जल्दी सूख जाते हैं।

### जीस, डेनिम और दूसरे भारी कपड़े न पहनाएं

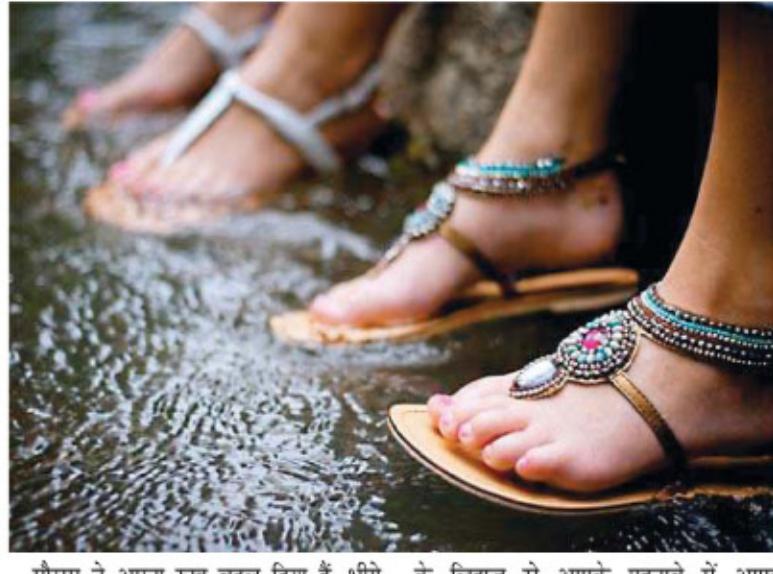
चूंकि बरसात के मौसम में बीचड़ और पानी दोनों होते हैं इसलिए हल्के कपड़े जैसे सूती, गार्डीन और रेशम मिश्रित कपड़े पहनना ठीक नहीं होता, क्योंकि आप इनमें लगे जिंदी दागों से आसानी से छुकाकर नहीं पा सकते हैं। इसके अलावा जीस, डेनिम और दूसरे भारी कपड़े भी नहीं पहनना चाहिए, क्योंकि उनमें पानी ठहर जाती है और उन्हें सूखने में बहुत देर लानी है, क्योंकि धूप न निकलने के कारण कपड़े सूख नहीं पाते। साथ ही बुने हुए और ऊनी कपड़े पानी सूखने लेने के कारण सिकुड़ जाते हैं और तेज धूप न निकलने के कारण ऐसे कपड़े जल्दी सूख नहीं पाते।



### ऐसे हों कपड़े

- बरसात में सिर को टोपी, घाते और टोपीदार कोट से ढक्कर रखना चाहिए।
- छोटे बच्चों के लिए बाजार में छोटी की शरद में कई रगों में हट और टोपियां मिलती हैं और दोनों ही हड़-प्री दोनों के साथ-साथ बारिश से बचाव भी करती है।
- बारिश से बचाव के लिए रेनकोट जैसे दूजन में हल्के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- शरीर से लगे छोटे बच्चों के लिए भी कुछ रेनकोट बैट के साथ मिलते हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित होते हैं विशेषकर जब तेज हवा लाती है।
- इसके अलावा अजगल कपड़ों के ऊपर एहसास वाले जैकेट और कंथाएँ को ढक्कर रखने वाले कपड़े भी मिलते हैं, जो बच्चों के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ फेस के अनुरूप भी होते हैं।
- पानी से बचने के लिए टांकों से ऊपर पहने जाने वाले या बरसाती जूतों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जो पैरों को लग भी पूरी तरह सूखा रखते हैं जब उनका पैर गलती से दलदल में फंस जाता है।
- रबड़ के सालीपर छरीदार, क्योंकि यदि बरसात के कारण वे मंद हो जाएं या उन पर कीचड़ तग जाए, तब उन्हें साफ करना आसान होता है।
- बरसात में सीढ़िल, चप्पल, बक्कल वाले जूते सभी बच्चों के लिए ऊपरुक्त होते हैं। इन सभी प्रकार के जूतों में कई तरह के रंग और कार्टून करेटर भी मिलते हैं, जिन्हें देख बच्चे सुना होता है।

## स्टाइलिश के साथ आरामदायक हो फुटवियर



स्टाइलिश लुक को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी हैं। आपके स्टाइलिश आउटफिट्स के साथ ही आपके फुटवियर का भी स्टाइलिश होना जरूरी है। स्टाइलिश फुटवियरसं इन दिनों कुछ ज्यादा ही छाए हुए हैं। तो इस मौसून सूनी जून में आपके लुक में कई कमी ना आए...इसलिए आइए हम आपके बताते हैं कि कैसा हो बारिश में फुटवियर का फैशन...

### लड़कियों के लिए कैंडी कलर्स के रबर के शूज



बारिश के दिनों में चट्टखादर रंग कपड़े आपकी स्टाइल में चार चांद लगा देते हैं, अगर इनके साथ आप कैंडी कलर्स के रबर के शूज को पहना जाए तो इस मौसम में आपको स्टाइल किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे मौसम

के लिहाज से आपके पहनाने में आपका स्टाइलिश तुक आरामदायक कैसे हो, इसके लिए पेश हैं आपके लिए कुछ टिप्प...

कहा जाता है कि किसी इसान के स्टाइल की पहचान उसके जूतों से होती है। जी हाँ, यहाँ हम बात कर रहे हैं आपके फुटवियर की जो आपके



## हप्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। ज्ञाया, रुखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उत्तीर्ण साफअंडर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। बिंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी पत्त को कानाही हृदय तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती है। सामान्य और रुखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्लूटी एक्सपर्ट अंगुलियां पिलै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।



### सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉर्स्यराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लागाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूटी किरणों से त्वचा के कैंसर और आक्रियक द्वारियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

### एक्सफोलिएट

हप्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेंड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राइन शुरू व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में धुमाते हुए रुकब करें। धोकर मॉर्स्यराइजर लगाएं।

### मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें- चंदन पाउडर- नींबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉर्स्यराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

## स्टाइलिश वेज हील



इन दिनों फैशन में हिट है वेज हील। कैन्जुअल से लेकर स्टाइलिश पार्टी वेयर तक हर अंदाज में उपलब्ध है यह पूटवेयर। वेज हील का मातलव स्पिर्फ हाई हील नहीं है। इसमें आपको हाई और कम हील दोनों ही मिलेंगी। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आपको वेज पसंद है। फैशन के अनुकूल होने के साथ ही वेज हील पांवों को भी आराम देती है। इन्हें पहनकर चलना सुविधाजनक होता है। वर्षी इनसे पांवों की खूबसूरती भी उभरकर आती है। यदि आपका टखना भारी है तो आपके लिए वेज हील एक दम परफेक्ट है। वेज हील की डिजाइन ऐसी होती है कि इसे पहनने पर भारी टखना पतला हो तो भारी वेज हील पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें कोई शक नहीं कि वेज हील की है ग्लोबल अपील। इसे पहनने मात्र से बढ़ जाता है आपका स्टाइल। किसी भी लेथ की स्टर्ट या ड्रेस के साथ वेज हील आकर्षक लगती है।

# कैसे करें हाथों की देखभाल

सही रख-रखाव वाले और साफ-सुधरे हाथ न केवल आकर्षक दिखते हैं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य की कूंजी भी हैं क्योंकि ज्यादातर इंफेक्शन गंडे हाथों से ही फैलते हैं। आपके हाथों की सही केयर कोई मुश्किल काम नहीं है और हैंडवॉश तथा माइक्रोराइंजिंग का डेली सिप्पल रूटीन काफी है तथा ज़रूरत होने पर नाखूनों की ट्रिमिंग की जानी चाहिए। आपके हाथों को साफ रखने के लिये सोप बार और लिक्रिड कर्लींजर्स समान रूप से अच्छे हैं लेकिन अपने नाखून और अंगुलियों को स्क्रबर करना मत भूलें जिससे नाखूनों की नीचे मैल न रहे। फिंगरेल ब्रेशेज भी मार्केट में उपलब्ध हैं जो आपके नाखूनों के हर तरफ का सभी गंदांगी को सही से साफ करते हैं। हर प्रखाले अपने नाखूनों की ट्रिमिंग अच्छी आदत है लेकिन इसे करने के लिये दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिए हर माह मेनीक्योर करना कोई बुरा विचार नहीं है क्योंकि इससे न केवल समय सावधानी बरतें कि क्यूटिकलस न कटने पायें जो नेल बेड की सुरक्षा करते हैं इसके बजाय अपने नाखूनों के नेचुरल कर्क को फॉलो करें। सही तरह से ट्रिम किये जाने वाले नाखूनों में दर्द की बीजह बनने वाले इन्प्रोन नेल्स या हैनेल्स के चास कम हो जाते हैं। ट्रिमिंग के बाद अपने नाखूनों को मॉइश्यराइंज़ करके आप उन्हें कमजोर होने से बचा सकते हैं। हाथों पर पिगमेंटेशन डेवलप होने से वे एजिंग के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं इसलिये मॉइश्यराइजर के अलावा अपने हाथों को डैमेज होने से बचाने के लिये सनस्क्रीन



खास कर अंगूठों अंगुलियों के बीच अच्छी तरह धोकर सुखाना ज़रूरी है। यदि आपके पैरों में ज्यादा पसीना आने

की परेशानी है तो मेडिकेटेड पाउडर का उपयोग करें और रोज धूले मोजे पहनें जिससे फँगल इंफेक्शन से बचाव हो सके। लम्बे समय से बदबू करने वाले पैरों में बैक्टीरियल इंफेक्शन हुआ हो सकता है जिसे डॉक्टर को दिखाना ज़रूरी होता है। पैदीक्योर पॉट के क्योंकि यह पैरों की सभी समस्याओं को दूर रखते हुए आकर्षक बनाता है। पैदीक्योर पैरों से डेंड त्वचा को हटाता है इन्प्रोन टो-नेल्स से बचाव करने वाले यह पैरों के लिये फुट या सावधानीपूर्वक की जानी चाहिए क्योंकि त्वचा के बिल्कुल पास ट्रिमिंग करने से इंफेक्शन का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पैरों की अंगूठे-अंगुलियों की सही ट्रिमिंग न होने से दर्दयुक्त हाँगेल्स या इन्प्रोन टो-नेल्स बन सकते हैं। सही तरह से फिट न आने वाले जूतों या चलने-करने के गतिहार्द के कारण पैरों में कॉलसेस और कार्नस विकसित हो सकते हैं। यदि ये बहुत कठोर नहीं हों तो इनको घर पर ही अपने पैरों को गुनाने पानी में डुबोकर और उनको पृष्ठीय स्टोन से राङड़ने से छुटकारा पाया जा सकता है। ज्यादा कड़े कार्नस को मेडिकल सहायता की ज़रूरत होती है। फँगल इंफेक्शनों को दूर रखने के लिये फुट या हैन्प्रोन महत्वपूर्ण है। अपने पैरों को पूरी तरह से

## क्या रूप निरवरा है

### ए

क अंडे की सफेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।

- ० एक केली में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ-पैरों पर लगाएं। आधा घंटे बाद पानी से धो लें।
- ० आप के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिलकर चेहरे पर हर तरह के हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- ० दो चम्मच कॉन्फिल्टरों को एक अंडे की सफेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20-25 मिनट लगा रखें।



जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10-15 दिन तक लगातार करें।

- ० खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- ० इस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- ० खीरे का रस और दही 1-1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- ० अनन्त्रास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- ० एक अंडे की पीली भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घंटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही हैं खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्प अपनाकर आप दिख सकती हैं दूसरों से जुदा। स्कूलिंग से फँी होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारिया चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक हैं तो नई ड्रेस की शॉपिंग ज़रूर की होगी। दूसरी गर्ल्स की ट्रिमिंग अपने आप की ज़रूरत होती है वे एक्सपर्ट की ड्रेस दूसरे से मैच खाती हैं तो भी यह काम की सावित होगी। दूसरी कॉलेज गोड़िग गर्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सत्ता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्ट्राइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई हो। मजा किंकिका हो जाएगा। ऐसा तरह सोचोच, डिफरेंट लुक पाने के अन्य विकल्प भी हैं।  
साथ रखें स्टोल्स  
धनकुटी स्थित श्रीकृष्ण चुटीक की फैशन डिजाइन सरिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफूल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफूल स्टोल कीरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट हैं, इसलिए ब्लैक, ब्लॉम और पिंक स्टोल खरीदें।  
जंक जूड़िलि का जलवा  
काशी जैवलर्स की जूड़िलि डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेंट लुक पाने का सिंपल ऑफेन्शन है। इनकी ऊपरी लेथ की स्टर्ट या ड्रेस के साथ वेज हील आकर्षक लगती है।

जगह लाग स्कर्ट के ऑफेन्शन को फालो करें। ज्यादा बांध करना या हर मुद्रे पर तक रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फँडेस से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनलिली औरों से जुदा रहें।





# उर्वशी रौतेला

के चोट लगने पर फैन ने भिजवाए  
1 लाख गुलाब के फूल, यूजर बोले-  
ड्रामा खत्म क्यों नहीं हो रहा



एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती है। उनकी सभी सेवाएँ किसी फिल्म में नज़र नहीं आई हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय लॉटीवुड और पार्टीज का हिस्सा रहती है। उनके अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं जिसे दिनों बाहर अस्पताल में भर्ती हुई थी। खबर थी कि वह हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट करवाया गया। अब हास्पी भर बाद उर्वशी ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर भी नज़र आ रही है। यूजर्स ने कहा कि उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम पर अपना वीडियो शेयर कर फैन्स से कहा था कि उनके लिए जल्द ठीक होने की दुआ करें। विंडुस्तान टाइम्स के रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वशी के एक फैंस ने उनके लिए दुआ की और साथ ही साथ करीब 1 लाख गुलाब के फूल भी भेजे जाते, जिसे देख उर्वशी भी काफी दंग रह गई।

उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम पर अपना वीडियो शेयर कर फैन्स से कहा था कि उनके लिए जल्द ठीक होने की दुआ करें। विंडुस्तान टाइम्स के रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वशी के एक फैंस ने उनके लिए दुआ की और साथ ही साथ करीब 1 लाख गुलाब के फूल भी भेजे जाते, जिसे देख उर्वशी भी काफी दंग रह गई।

गुलाब के साथ दिए पौधे

अधिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर ये फोटोज शेयर कर लिखा— 1 लाख लक्जरी गुलाब मेरे कटूरी फैंस ने मेरे लिए भेजे और मेरे जल्द ठीक होने की भी, कामना की। मैं आप सभी से बहुत ध्यान करती हूँ। इस फोटो में एक्ट्रेस फूलों के साथ पोज देती नज़र आ रही है। यूजर्स ने कहा कि यह उर्वशी की इस पोस्ट पर लोगों ने उन्हें फूल भी किया है। एक यूट्यूबर ने लिखा— इंडिया की फैस्ट बुमन है जो पर्सनल स्टंट के लिए पहले छोटे से कट के लिए एडमिट हुई। फिर खुद ही फूल खरीद कर फैंस का काम बता रही है। दूसरे यूट्यूबर ने लिखा— इनांग ऑफरेंस करने के बाद मुझे लगता है कि आपको अनफॉलो कर देना चाहिए। इसके अलावा एक अन्य यूट्यूबर ने लिखा— तभी काम नहीं मिलता इसे।



# सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ युधा में नजर आएंगे Malavika Mohanan, एक्ट्रेस ने बताया क्यों खास है उनका किरदार

जब से सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन की युधा का पोस्टर रिलीज हुआ है फैंस की एक्साइटमेंट साथवे आसमान पर है। पोस्टर में खून से लथपथ सिद्धांत का काफी इंटेस लुक नज़र आ रहा है जो इशारा कर रहा है कि उनका लुक बहुत ही सरप्राइजिंग हो सकता है।

मालविका ने अपने किरदार के बारे में क्या कहा है? मालविका हाल ही में चियान विक्रम की रिलीज हुई फिल्म तंगलान में नजर आई थीं। अब एक इंटरव्यू में बात करते हुए एक्ट्रेस ने युधा के अपने कैरेक्टर को लेकर कहा राज खोले हैं। एक्ट्रेस ने न्यूज 18 से बात करते हुए कहा, मैंने सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जो फिल्म की है वह एक्सेस एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस की है। यह आगे महीने रिलीज हो रही है। इस कुछ ही दिनों में ट्रेनर जारी करेंगे। तंगलान की तुलना में यह एक धूरी तरह से अलग दुनिया है। यह मेरे लिए भी रोमांचक है। ये सारी भूमिकाएं एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं एक एक्टर के



लिए इन्हें बेस्टेट्राइल रोल करना बहुत अच्छी बात है। मैं चाहती हूँ कि ज्यादा से ज्यादा फिल्म निर्माता मेरे इस किरदार को देखें कि मैं अलग-अलग रोल में कैसे फिट बैठती हूँ।

प्रभास के साथ आने वाली फिल्म

इसके अलावा प्रभास के साथ उनकी राजा साब आएंगी। इसके साथ वो तेलुगु नियमों में डेव्यू करेंगी। एक्ट्रेस ने इसके बारे में ज्यादा डिटेल्स शेयर नहीं की। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि फिल्म अगले साल आएंगी और ये एक हारिर रोमांटिक फिल्म होगी युधा को एक्सेस एंटरटेनमेंट के रिटेशन सिध्धांती और फरहान अख्तर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। रवि उदयवार इस फिल्म के डायरेक्टर हैं। यह फिल्म 20 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। कुल मिलाकर ये एक मच अवेंट एक्शन श्रितर फिल्म होने वाली है।

शूटिंग शुरू होने से पहले शाहरुख खान की फिल्म में क्यों ये बड़ा बदलाव करना पड़ा?



बॉलीवुड के लिए साल 2025 इतना जबरदस्त रहने वाला है, जैसा 2023 रहा था। बज़ह साफ है कई बड़े सुपरस्टार्स अपनी-अपनी फिल्में लिए। इसी साल आने वाले हैं, कई में ब्रजट फिल्में अगले साल रिलीज होने वाली हैं। इस साल तामां बड़े स्टार्स फिल्मों की तैयारियों में जुटे हैं। इस साल न ही शाहरुख आएंगे और न ही सलमान। वहीं सभी देओल की पिंकर भी अगले साल के पहले महीने में आने वाली हैं। कई में ब्रजट फिल्मों को लेकर तगड़ा बज़ बना हुआ है वो है सलमान और शाहरुख खान की फिल्में। जहां शाहरुख King बन रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सलमान खान जो Sikandar भी आ रही है। यह दोनों ऐसी फिल्में हैं, जो खूब भीकाल काटने वाली हैं। King में शाहरुख खान के साथ बेटी सुहाना खान भी नजर आने वाली हैं। इस पिंकर से वो यांत्रिकल डेव्यू करने जा रही हैं। फिल्म नवंबर में शुरू होने वाली है, इसी बीच पिंकर में बड़ा बदलाव होने वाला है। यूं तो पहले यह पिंकर पूरी तरह से सुहाना खान की थी। शाहरुख खान का पिंकर में कुछ देर का कैमियो था, पर स्क्रिप्ट पर यांत्रों-रात बदलाव कर दिया गया। इसके बाद खबर आई कि शाहरुख खान को फिल्म में फुल पर्सेन भी रोल होगा। वहीं बेटी सुहाना सेंडल लीड की तर यह नजर आएंगी। फिल्म में कई हाई ऑफेन एक्शन सीन्स होने वाले हैं।

King में क्या बदलाव होने वाला है?

शाहरुख खान के लिए बीता साल जबरदस्त रहा है, महीने की शुरुआत 'पठान' के साथ हुई थी, फिर 'जवान' और 'डंकी' भी आईं। इसमें से दो फिल्में ने 1000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया, फिल्म को सुर्जीव घोष डायरेक्ट कर रखे हैं। ऐसा पता लगा था कि फिल्म में शाहरुख खान मंटार के रोल में होंगा, वहीं सुहाना उनकी स्कूटर होंगी। यह अंडायर्लंड के बैकड्राइव पर रह रही है, यह अपडेट सोशल मीडिया पर भी आया रहा। बज़ह साफ थी कि सालों बाद शाहरुख खान को इस अंदाज में देखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने Locarno Film Festival में अपनी फिल्म को कंफर्म कर दिया था।

वो लंबे वक्त से किंग पर काम कर रहे हैं, पर अबकाल फैन्स के लिए कोई अनाउंसमेंट बीड़ीयों नहीं लाया गया है, ऐसा कहा जा रहा है। सुहाना भी फुल रोल मोड में होंगी। इसके लिए वो लंबे वक्त से ट्रेनिंग ले रही हैं, पहले यूंके में फिल्म की शूटिंग के लिए कुछ लोकेशन तलाश की जा रही थी, पर अब एक नया अपडेट सामने आ गया है।

**मैं कभी नहीं बनाता...रणबीर कपूर की 'एनिमल' पर ये क्या बोल गए फरहान अख्तर!**



सदीप रेड़ी वांगा के डायरेक्शन में बनी रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, लोगों से इस फिल्म को मिले-जुले एवं रिएक्शन में होंगी। इसके मिले-जुले और क्रिटिक्स ने इसे महिला विरोधी भी बताया। हालांकि, इस फिल्म को रणबीर की दमदार एक्टिंग के लिए सराहा भी गया, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर छप्पराड़ कमाई की थी, लेकिन रणबीर के कैरेक्टर रणविजय पर भी खूब गाज गिरी थी, अब हाल ही में एक्टर-फिल्मेकर फरहान अख्तर ने साल 2023 की सबसे हिट और कॉन्ट्रोवर्शियल फिल्मों में से एक 'एनिमल' पर अपना रिएक्शन दिया है। एक इंटरव्यू में फरहान ने कहा कि फिल्म 'एनिमल' उन्हें पसंद ही नहीं है।

फरहान को नहीं पसंद आई 'एनिमल' हाल ही में केय डिस्जून के साथ एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने 'एनिमल' पर ये कृति कहा कि फिल्म उनके लिए काम नहीं आई लेकिन उन्होंने फिल्म में रणबीर कपूर की दमदार एक्टिंग, फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर और संदीप रेड़ी वांगा के काम को तारीफ की।

फरहान अख्तर ने एग्रीवर के रोल को बताया 'प्रॉब्लेमेटिक' हालांकि, अख्तर ने फिल्म के थ्रू दिए मैसेज को लेकर चिंता जताते हुए कहा, फिल्म ने कुछ खास नहीं किया, क्या इसमें कोई ऐसी चीज है जिसे मैं किसी रोल को देखने की सलाह दूँगा, मुझे नहीं लगता, नहीं, मैं इस तरह को कई एंट्रेजेक्ट नहीं करूँगा, ये मेरी सम्पत्ति से बाहर थीं। मूँझे लगता है कि फिल्म में रणबीर का किरदार कामी कॉन्ट्रोवर्शियल और प्रॉब्लेमेटिक है, फिल्म को लेकर इन रिएक्शन के बावजूद फरहान अख्तर ने फिल्म को लेकर बताया कि ज्युनून को खुला रहा है।

मैं कभी नहीं बनाता ऐसी फिल्म- फरहान अख्तर फरहान अख्तर ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि हम ऐसे फील्ड में हैं, जहां आप कोई मुझसे कहता है, 'आप ऐसी फिल्म नहीं बना सकते', तो मैं कहूँगा, 'आप कौन होते हैं?' मुझे इस देश के कानून ने अनुमति दी है और मुझे ये फ़ीडम है कि मैं जो चाहूँ कह सकता हूँ, लोग क्या सुनना चाहते हैं